राजस्थान बजट 2025-26

चर्चा में क्यों?

19 फरवरी, 2025 को राजस्थान की उपमुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री ने राजस्थान बजट 2025-26 **विधानसभा** में पेश किया।

मुख्य बिंदु

- **बजट के बारे में:**
  - यह पहला ग्रीन थीम आधारित बजट है, जिसमें ग्रामीण विकास, बुनियादी ढाँचे और नवीकरणीय ऊर्जा पर विशेष ज़ोर दिया गया है।
  - बजट में **महिलाओं, किसानों और युवाओं** की ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए अनेक योजनाएँ बनाई गई हैं।

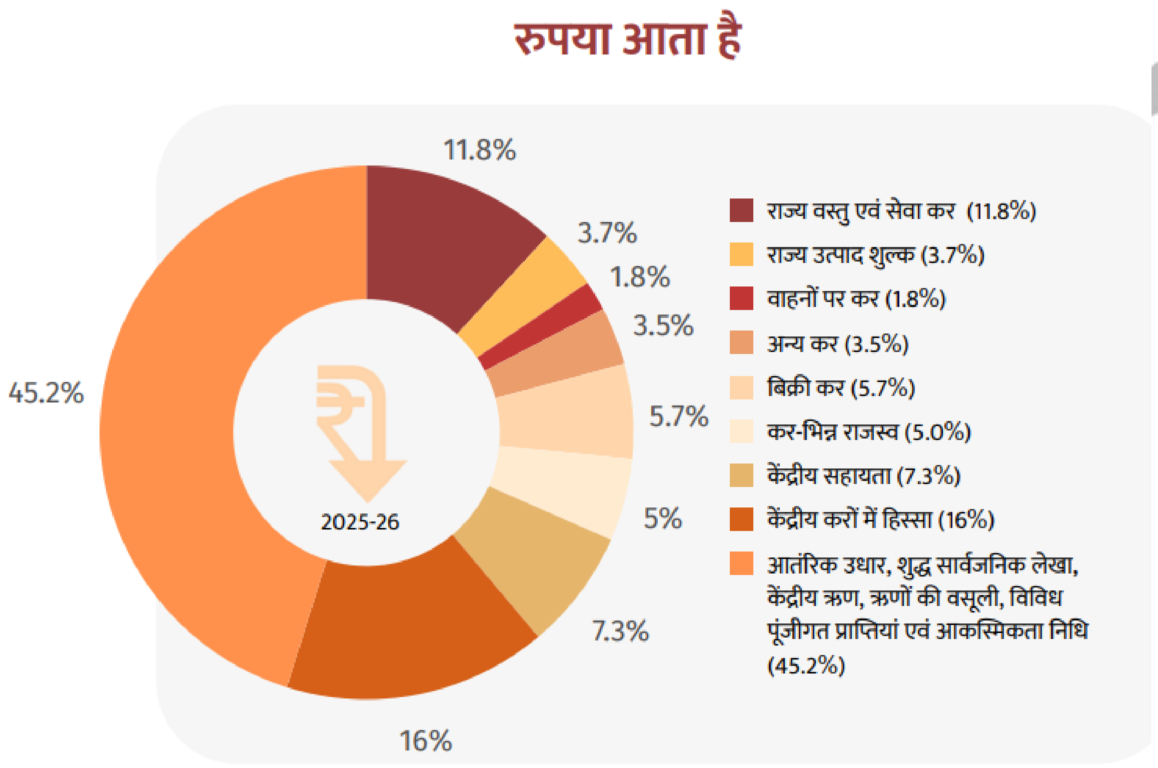

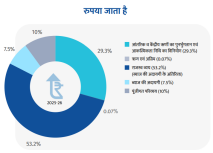

- **मुख्य घोषणाएँ:**
  - पेयजल:
    - आगामी वर्ष में बीस लाख घरों में कनेक्शन देने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में पेय**जल हेतु 425 करोड़ का प्रावधान।**
    - **मुख्यमंत्री** जल जीवन मिशन (शहरी) की शुरुआत की गई है जिसके तहत 5830 करोड़ का प्रावधान।
  - **ऊर्जा:**
    - आगामी वर्ष में 6400 मेगावाट से अधिक बिजली का उत्पादन करना।
    - 50 हज़ार नए कृषि कनेक्शन और **पाँच लाख घरेलू कनेक्शन** देना।
    - 765KV का एक, 400KV के पाँच, 220KV के 13 और 132KV के 28 और 33/11KV के 133 जीएसएस बनेंगे।
    - आगामी वर्ष में निजी क्षेत्र के माध्यम से 10 गीगावाट बिजली का उत्पादन किया जाएगा।
    - मुख्यमंत्री नि:शुल्क बिजली योजना के तहत 150 यूनिट प्रति माह बिजली नि:शुल्क दी जाएगी।
  - **परिवहन विकास:**
    - सड़कों के विकास के लिये 5000 करोड़ रुपए से अधिक के कार्य किये जाएंगे।
    - **नौ ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे पर 60000 करोड़ रूपए खर्च होंगे।**
    - प्रत्येक विधानसभा में 10-10 करोड़ रूपए से नॉन पैवेबल सड़क कार्य होंगे।
    - 5 हज़ार से अधिक आबादी वाले 250 गाँवों में 500 करोड़ की लागत से 'अटल प्रगति पथ' बनेंगे।
    - 500 नई रोडवेज बसें जीसीसी मॉडल पर उपलब्ध कराई जाएंगी, साथ ही शहरी क्षेत्रों के लिये 500 बसें राजकीय शहरी ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएंगी।
    - **जयपुर मेट्रो:** 12000 करोड़ की लागत से **सीतापुरा औद्योगिक क्षेत्र से अंबावाड़ी एवं विद्याधरनगर (टोडी मोड़ तक) विस्तार होगा,** इसके साथ ही जगतपुरा, वैशाली नगर के लिये डीपीआर बनेंगी।
    - '**पंचगौरव योजना**' के अंतर्गत 550 करोड़ रुपए का प्रावधान।
    - स्वामित्व योजना में 2 लाख परिवारों को पट्टे दिए जाएंगे।
    - मनरेगा के अंतर्गत 3400 लाख मानव दिवसों का सृजन किया जाएगा।
    - जयपुर की ट्रैफिक व्यवस्था सुधार में 250 करोड़ खर्च होगे। इसके अलावा जयपुर में बने बीआरटीएस कोरिडोर को हटाया जाएगा।
    - डांग, मगरा, मेवात एवं ब्रज क्षेत्रीय विकास योजनओं हेतु 100-100 करोड़ रुपए का प्रावधान।
    - **दिल्ली-जयपुर, जयपुर-आगरा और जयपुर-कोटा हाईवे** पर सड़क सुधार कर ***'Zero Accident Zones'*** का निर्माण।
    - 20 ट्रॉमा सेंटर्स का PPP मोड में सुदृढ़ीकरण हेतु ₹50 करोड़ का प्रावधान।
    - 25 एडवांस्ड लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस की सुविधा।
  - **नगरीय विकास:**
    - **पार्किंग, रिनोवेशन, रेजीडेंशियल फ्लैट, बस स्टैंड आदि के विस्तार एवं विकास के** लिये 780 करोड़ रुपए का प्रावधान।
    - 7 वर्षो की अवधि की पंडित दीनदयाल उपाध्याय शहरी विकास योजना के लिये 12050 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।
    - प्रदेश के समस्त शहरों में 50 हज़ार स्ट्रीट लाइट लगाये जाएंगे।
    - 500 पिंक टॉयलेट्स के निर्माण हेतु 175 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।
    - 30 नगर परिषदों में **Mechanised Transfer Stations** की स्थापना की जाएगी।
  - **औद्योगिक विकास:**
    - औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करने हेतु 'Single Window-One Stop Shop' के माध्यम से ऑनलाइन अनुमतियों की संख्या बढ़ाकर 149 करना।
    - विभागों के लिये **Competitive Index** लागू होगा। **Rising Rajasthan** के MoUs को प्रभावी बनाने हेतु PMU गठित किया जाएगा। Flatted Factory की व्यवस्था लागू। **Plug and Play Model** के तहत औधोगिक क्षेत्र विकसित किया जाएगा।
    - सेवा क्षेत्र में निवेश के लिये **Global Capability Centre** (GCC) Policy और व्यापार संवर्धन हेतु Rajasthan Trade Promotion Policy लागू होगी।
    - औद्योगिक पार्कों के विकास में कोटा में टॉय पार्क, निम्बाहेड़ा-चित्तौड़गढ़ व बूंदी में स्टोन पार्क, सोनियाणा-चित्तौड़गढ़ में सेरामिक पार्क, DMIC के तहत फार्मा पार्क, भीलवाड़ा में टेक्सटाइल पार्क का विस्तार तथा सांगानेर-जयपुर में ब्लॉक प्रिंटिंग ज़ोन स्थापित किये जाएंगे।
    - 18 नए औद्योगिक क्षेत्रों के आधारभूत विकास हेतु ₹150 करोड़ का प्रावधान। निजी औद्योगिक पार्कों में CETP के लिये सहायता दी जाएगी। **DMIC (Delhi Mumbai Industrial Corridor) से जुड़े दो लॉजिस्टिक पार्क बनाए जाएंगे** और PM Gati Shakti अपडेट सिस्टम विकसित किया जाएगा।
  - **पर्यटन, कला एवं संस्कृति:**

- पर्यटन विकास के लिये ₹975 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- जयपुर में [IIFA Awards] आयोजन। Heritage Tourism के तहत 10 Iconic Tourist Destinations विकसित किये जाएंगे, जबकि Night Tourism को बढ़ावा देने हेतु ₹100 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- ऐतिहासिक कलात्मक हवेलियों का **शेखावाटी हवेली संरक्षण योजना** एवं **Heritage Walk** के तहत संरक्षण कार्य किये जाएंगे। जयपुर अल्बर्ट हाल म्यूजियम के उन्नयन के लिये ₹25 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- आदिवासी पर्यटन हेतु ₹100 करोड़ रुपए से Tribal Tourist Circuit विकसित होगा।
- Flying Training Organisation (FTO) **प्रतापगढ़, झालावाड़ा एवं झुंझुनू में की स्थापना। जयपुर, जोधपुर व उदयपुर में Hop-on-Hop-off बस सेवा।**
- विभिन्न मंदिरों के उन्ननयन हेतु ₹101 करोड़ का प्रावधान, मंदिरों में भोग राशि ₹3,000 प्रतिमाह और पुजारियों का मानदेय ₹7,500 प्रतिमाह किया गया।

- **युवा विकास एवं कल्याण:**
  - **राजस्थान रोज़गार नीति-2025** लाने की घोषणा।
  - 500 करोड़ का 'विवेकानंद रोज़गार सहायता कोष' की स्थापना होगी।
  - आगामी वर्ष में 1.25 लाख पदों पर भर्तियां होंगी। निजी क्षेत्र में लाख 1.50 लाख युवाओं को रोज़गार दिया जाएगा।
  - 'विश्वकर्मा युवा उधमी प्रोत्साहन योजना' का शुभारंभ होगा। युवाओं को ₹2 करोड़ तक के ऋण पर 8% ब्याज अनुदान एवं 5 लाख युवाओं को मार्जिन मनी सहायता।
  - प्रत्येक संभाग में **उन्नत कौशल और कैरियर परामर्श केंद्र** की स्थापना।
  - जयपुर, जोधपुर एवं उदयपुर में वैदिक गुरुकुल एवं वैदिक पर्यटन केंद्रों की स्थापना की जाएगी।
  - द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता प्रशिक्षकों की भूमि आवंटित की जाएगी।
  - उदयपुर, कोटा, बीकानेर, भरतपुर एवं अजमेर संभाग में पैरास्पोर्ट्स के लिये स्पेशल स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स बनेंगे।
- **चिकित्सा एव स्वास्थ्य:**
  - आमजन को निःशुल्क जाँच व दवा हेतु ₹3,500 करोड़ का '**MAA कोष**' का गठन। MAA योजना में Interstate Portability लागू।
  - 7 वर्ष से अधिक वृद्धजनों को घर पर निःशुल्क दवा। सभी ज़िला चिकित्सालयों में Diabetic Clinics स्थापित। TB मुक्त प्रदेश हेतु CHC पर Digital X-ray, TRU-NAAT व CB-NAAT मशीनों की उपलब्धता होगी।
  - HIV संक्रमित व जोखिमग्रस्त महिलाओं की Cervical Cancer जाँच।
  - निःशुल्क नेत्र जाँच व ऑपरेशन हेतु MAA नेत्र वाउचर योजना लागू।
  - 148 अर्बन [आयुष्मान आरोग्य मंदिर] (UAAM) स्थापित होंगे।
  - बीकानेर चिकित्सालय में **Vitreo Retina Surgery Unit** का उन्नयन।
  - जयपुर, बीकानेर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा में 120-बेड क्षमता के स्पाइनल इंजरी सेंटर की क्षमता में वृद्धि।
  - कोटा मेडिकल कॉलेज में कैंसर यूनिट व कॉटेज वार्ड हेतु ₹195 करोड़।
  - प्रत्येक संभाग मुख्यालयों पर **अल्ट्रा एडवांस्ड बर्न केयर सेंटर** की स्थापना।
  - **राजस्थान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (RIMS)** जयपुर उन्नयन हेतु ₹500 करोड़; 750 चिकित्सक व 1,500 पैरामेडिकल पद सृजित किये जाएंगे।
  - 'Fit Rajasthan' अभियान हेतु ₹50 करोड़ प्रावधान; आहार में तेल की मात्रा 10% घटाने पर ज़ोर।
  - **नवीन आयुष नीति:** गाँवों को आयुष्मान आरोग्य ग्राम घोषित कर ₹11 लाख प्रोत्साहन।
  - 7 ज़िलों (हनुमानगढ़, सवाई माधोपुर, जैसलमेर, पाली, सिरोही, चित्तौड़गढ़ एवं डूंगरपुर) में खाद्य प्रयोगशालाओं की स्थापना की जाएगी।
- **सामाजिक सुरक्षा:**
  - सामाजिक सुरक्षा के तहत मिलने वाली पेंशन अब 1250 रुपए प्रतिमाह होगी।
  - असंगठित श्रमिकों के लिये **Gig and Unorganised Workers Fund** में ₹350 करोड़ का प्रावधान।
  - बालिकाओ को 35 हज़ार स्कूटी वितरण का प्रावधान।
  - प्रत्येक ब्लॉक में उच्च माध्यमिक विद्यालय या महाविद्यालय में 'रानी लक्ष्मीबाई केंद्र' स्थापित होगा।
  - **लखपति दीदी** श्रेणी में 20 लाख महिलाओं को लाने का लक्ष्य।
  - घुमंतू समुदायों के लिये '**दादूदयाल घुमंतू सशक्तिकरण योजना**' शुरू।
  - अनुजा., ओबीसी व अल्पसंख्यक निगम ऋणों के लिये **वन टाइम सेटलमेंट योजना (OTSS)**।
  - 5 हज़ार उचित मूल्यों की दुकानों पर 'अन्नपूर्णा भंडार' की स्थापना।
  - गर्भवती महिलाओ को अतिरिक्त पोषण हेतु [**मुख्यमंत्री सुपोषण Nutri-Kit योजना**] लागू।
- **कानून व्यवस्था तथा सुशासन:**
  - **'राजस्थान नागरिक सुरक्षा अधिनियम'** के तहत Surveillance एवं सुरक्षा तंत्र सुदृढ़ीकरण।
  - **2 वर्षों में:** पुलिस को **1,000 वाहन** एवं **3,500 नवीन पद** सृजित।
  - **Sardar Patel Centre for Cyber Control and War-Room** की स्थापना पर ₹350 करोड़ व्यय का प्रावधान।
  - विचाराधीन बंदियों की पेशी हेतु **400 Video Conference (VC) Nodes** की स्थापना।
  - **7 केंद्रीय कारागृहों** में अवैध मोबाइल सिग्नल रोकने हेतु **T-HCBS प्रणाली की स्थापना**।
  - सजायाफ्ता बंदियों के लिये **न्यूनतम मजदूरी** का प्रावधान।
  - **अजमेर कारागर प्रशिक्षण संस्थान** का उन्नयन।
  - **अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालय:** शाहपुरा (जयपुर), रिंगस (सीकर)।
  - **पुलिस उपाधीक्षक कार्यालय:** रायपुर–ब्यावर, खाटूश्यामजी (सीकर)।
  - **8 नए साइबर पुलिस थाने** स्थापित करने का प्रावधान।

- आगामी वर्ष में 3 हज़ार से अधिक जनसंख्या वाले पंचायत मुख्यालयों में '**अटल ज्ञान केंद्र**' स्थापित होंगे।
- **अंबेडकर संविधान अध्ययन एवं अनुसंधान संस्थान** की स्थापना।
- विभागीय कार्यों के डिजिटिलीकरण व पेपरलेस प्रणाली हेतु अधिकारियों-कर्मचारियों को टैबलेट्स हेतु ₹250 करोड़ व्यय का प्रावधान।
- ₹400 करोड़ से आधुनिक RajNET 2.0 प्रणाली लागू। **RajNET 2.0 से** कनेक्टिविटी क्षमता में दोगुनी वृद्धि।
- आपदा रिकवरी डेटा सेंटर जोधपुर में स्थापित होगा।
- ब्रह्मगुप्त फ्रंटियर टेक्नोलॉजीज सेंटर हेतु ₹300 करोड़ का प्रावधान।
- प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में विधायक जनसुनवाई केंद्र स्थापित होगा।
- नए 8 ज़िलों में ज़िला स्तरीय कार्यालयों हेतु ₹1,000 करोड़ का प्रावधान।

◦ **कार्मिक कल्याण:**
- सभी मानदेय कर्मियों के मानदेय में आगामी वर्ष 10% वृद्धि।
- NFSA डीलरों के कमीशन में 10% वृद्धि।
- न्यायिक सेवा के पेंशनर्स को 70 वर्ष की आयु पर 5% अतिरिक्त भत्ता।
- सरकारी कर्मचारियों को **1 अप्रैल 2024 से बढ़ी हुई Gratuity का लाभ मिलेगा।**
- पत्रकार कल्याण राशि 1 लाख से बढ़कर 3 लाख रुपए किया गया।
- पत्रकारों को Exposure Tour की सुविधा उपलब्ध।

◦ **कृषि बजट:**
- **राम जल सेतु लिफ्ट परियोजना** के लिये ₹9,300 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- **मनोहरथाना सिंचाई परियोजना** हेतु ₹2,250 करोड़ का प्रावधान।
- **धौलपुर लिफ्ट परियोजना** एवं कालीतीर परियोजनाओं के लिये ₹950 करोड़ रुपए का प्रावधान।।
- 100 एनिकटों का निर्माण व जीर्णोद्धार हेतु ₹500 करोड़ रुपए का प्रावधान।
- **Micro Irrigation:** 1 लाख हेक्टेयर+ क्षेत्र में योजना, 3.50 लाख हेक्टेयर में Drip व Sprinkler सिस्टम हेतु ₹1,250 करोड़ व्यय का प्रावधान।
- 25 हज़ार फार्म पोंड, 10 हज़ार डिग्गियाँ, 50 हज़ार सौर पम्प व 20 हज़ार किमी पाइपलाइन हेतु ₹900 करोड़ का प्रावधान।
- **PM किसान सम्मान निधि:** वार्षिक सहायता ₹9,000 किया गया।
- गेहूं के MSP पर बोनस ₹150 प्रति क्विंटल।
- **राजस्थान कृषि विकास योजना** (RajKVY) के तहत आगामी वर्ष में ₹1,350 करोड़ के कार्य प्रस्तावित।
- 1,000 Custom Hiring Centres स्थापित किये जाएंगे।
- आधुनिक कृषि उपकरणों के लिये ₹300 करोड़ का अनुदान, 1 लाख किसानों को लाभ मिलेगा।
- मृदा शक्ति संवर्द्धन योजना के तहत हरी खाद के लिये 3 लाख ढैंचा बीज मिनीकिट उपलब्ध।
- कृषि क्षेत्र में नवाचार हेतु AI Excellence Centre की स्थापना की जाएगी।
- बांसवाड़ा में Centre of Excellence for Maize व भरतपुर में Centre of Excellence for Honey Bee-keeping की स्थापना की जाएगी।
- 75 हज़ार किसानों के लिये 30 हज़ार किमी. तारबंदी हेतु ₹324 करोड़ व्यय।
- एक लाख भूमिहीन कृषि श्रमिकों को ₹5,000 तक के कृषि यंत्र व उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे।
- 100 Farmer Producer Organizations (FPOs) सदस्य कृषकों को विदेश (Israel सहित) व 5 हज़ार कृषकों को राज्य से बाहर प्रशिक्षण हेतु भेजा जाएगा।
- Global Rajasthan Agri-Tech Meet (GRAM) का आयोजन होगा।
- 35 लाख से अधिक किसानों को ₹25,000 करोड़ के ऋण देने का प्रावधान। ₹768 करोड़ ब्याज अनुदान पर व्यय का प्रावधान।
- Gopal Credit Card के तहत 2.50 लाख गोपालकों को ब्याज मुक्त ऋण हेतु ₹150 करोड़ का प्रावधान।
- दीर्घकालीन सहकारी कृषि व गैर-कृषि क्षेत्र हेतु ₹400 करोड़ के ऋण पर 5% ब्याज अनुदान।
- नवीन स्थापित 8 ज़िलों में क्रय-विक्रय सहकारी संघ (KVSS) स्थापित होंगे।
- अनूपगढ़-श्रीगंगानगर में मिनी फूड पार्क एवं सांचौर-जालोर में एग्रो फूड पार्क बनेंगे।
- कृषि उत्पादों की गुणवत्ता सुधार हेतु Power Cleaning Machines।
- बांरा में लहसुन उत्कृष्टता केंद्र की स्थापना।

◦ **पशुपालन एवं डेयरी:**
- **मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना:** बीमित पशुपालकों की संख्या दोगुनी, ₹200 करोड़ अतिरिक्त व्यय का प्रावधान।
- **पशुधन निःशुल्क आरोग्य योजना:** औषधियों व टीकों की संख्या बढ़कर 200।
- **दुग्ध उत्पाद व पशुआहार संयंत्र:** Milk Plants की क्षमता वृद्धि व विस्तार हेतु ₹540 करोड़।
- **नवीन दुग्ध संयंत्र:** अलवर, उदयपुर, बांसवाड़ा, भरतपुर एवं सवाई माधोपुर में , ₹225 करोड़ लागत।
- **नवीन बाईपास प्रोटीन पशुआहार संयंत्र:** राजसमंद-नाथद्वारा व उदयपुर में ₹150 करोड़ व्यय।
- **दुग्ध संग्रहण लक्ष्य:** 13 लाख लीटर, 1,000 नई सहकारी समितियाँ/संग्रह केंद्र स्थापित।
- **गौशालाएँ व नंदीशालाएँ:** प्रति पशु अनुदान ₹50 प्रतिदिन।
- 200 ग्राम पंचायतों में नए पशु चिकित्सा उप केंद्र स्थापित होंगे।
- बस्सी-जयपुर में Sex Sorted Semen Lab स्थापित किया जाएगा।
- 100 पशु चिकित्सा अधिकारी व 1,000 पशुधन निरीक्षक नियुक्त होंगे।

◦ **ग्रीन बजट:**
- राज्य का पहला ग्रीन बजट प्रस्तुत किया गया।

- 10 प्रमुख क्षेत्रों पर फोकस– **(1) जलवायु परिवर्तन अनुकूलन (2) वन एवं पर्यावरण- जैव विविधता/पारिस्थितिकी (3) सतत कृषि, जल संचयन/पुनर्भरण (4) सतत भूमि उपयोग (5) हरित ऊर्जा (6) पुनर्चक्रण एवं अपशिष्ट निपटान-परिपत्र अर्थव्यवस्था (7) स्वच्छ तकनीक विकास (8) हरित लेखा परीक्षा (9) क्षमता निर्माण-शिक्षा, कौशल (10) हरित वित्त पोषण।**
- 5 वर्षीय 'जलवायु अनुकूलन योजना–2030' लागू।

- ₹150 करोड़ की लागत से **Centre of Excellence for Climate Change** स्थापित होगा।
- हरित क्षेत्र विस्तार हेतु **Tree Outside Forest** (ToFR) Policy व **एग्रो-फॉरेस्ट्री** नीति लागू।
- **सवाई माधोपुर में घड़ियाल पालन केंद्र** स्थापित होंगे।
- **नेशनल नैचुरल फार्मिंग मिशन:** आगामी वर्ष 2.50 लाख किसानों को अनुदान।
- **जैविक खेती:** 1 लाख किसानों को जैव एजेंट्स व बायोपेस्टिसाइड्स का लाभ।
- लघु एवं सीमांत किसानों **को बैल से खेती हेतु ₹30 हज़ार का प्रोत्साहन, गोबर गैस संयंत्र पर सब्सिडी।**
- **मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान** 2.0: 4700+ गाँवों में Water Harvesting Structures पर ₹2,700 करोड़ व्यय का प्रावधान।
- **विकसित राजस्थान @2047:** GIS आधारित Green Land Use Perspective Plan।
- सौर उपकरणों के बढ़ते उपयोग हेतु **सोलर दीदी** के रूप में नवीन मानदेय, 25 हज़ार महिलाओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा।
- PHED (Public Health Engineering Department) के पंपिंग स्टेशनों को Hybrid Annuity Model (HAM) मॉडल से सौर ऊर्जा से जोड़ा जाएगा।
- Circular Economy के व्यापक प्रसार के लिये **Rajasthan Circular Economy Incentive Scheme–2025** का प्रावधान।
- Recycling/Reuse हेतु R&D को ₹2 करोड़ के अनुदान का प्रावधान।
- Circular Economy के क्षेत्र में कार्यरत MSMEs व Startups को ऋण पर 0.5% अतिरिक्त छूट प्रदान किया जाएगा।
- राज्य में **Rajasthan Vehicle Scrap Policy** लागू।
- सभी ज़िला मुख्यालयों पर Waste to Wealth Parks, ग्राम पंचायतों में बर्तन बैंक की स्थापना किया जाएगा।
- ₹250 करोड़ से स्वच्छ एवं हरित प्रौद्योगिकी विकास केंद्र की स्थापना।
- आगामी 3 वर्षों में ₹900 करोड़ से स्वच्छ और हरित-पारिस्थितिकी शहर का विकास।
- **सतत विकास लक्ष्य समन्वय और त्वरण केंद्र (SDGCAC)** की स्थापना।
- कार्बन क्रेडिट के तर्ज पर Rajasthan Green Credit Mechanism एवं Tradable Credits विकसित किया जाएगा।
- ₹100 करोड़ से **Rajasthan Green Challenge Fund,** ₹250 करोड़ से हरित आरावली विकास परियोजना प्रारंभ।

प्राप्तियां

2025-26

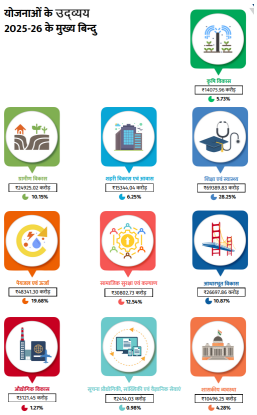

योजनाओं के उद्व्यय
2025-26 के मुख्य बिन्दु

दृष्टि The Vision

व्यय

2025-26

विवरण	वर्ष 2025-26 के बजट अनुमान
राजस्व प्राप्तियाँ	₹2,94,536.49 करोड़
राजस्व व्यय	₹3,25,545.90 करोड़
राजस्व घाटा	₹31,009.41 करोड़
राजकोषीय घाटा	₹84,643.63 करोड़ *(GSDP [illegible] 4.25%)*
अनुमानित GSDP (वर्ष 2025-26)	₹19,89,000 करोड़ से अधिक
लक्ष्य (वर्ष 2030 तक)	$350 बिलियन की अर्थव्यवस्था निर्माण

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rajasthan-budget-2025-26